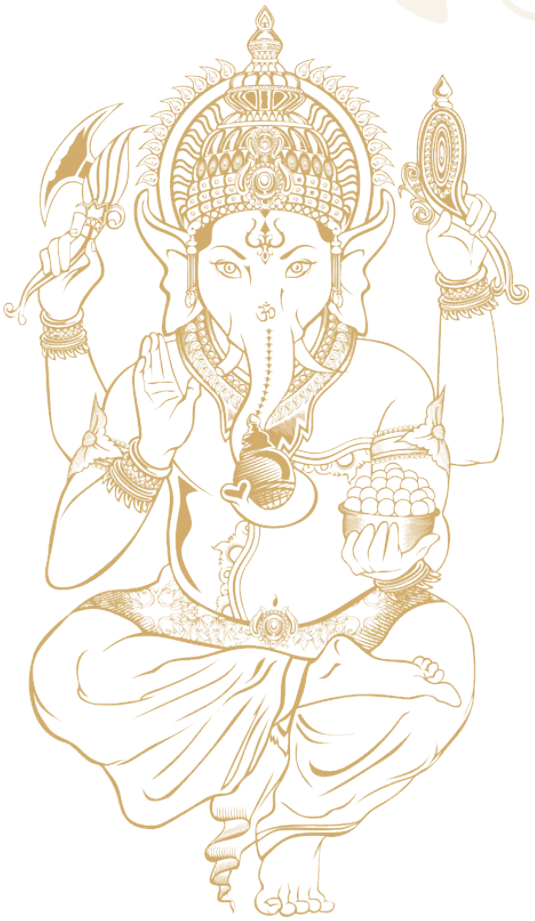

Mr.k

Ms.h

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120940602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29-30/09/1996	जन्म तिथि	24/12/1999
रवि-सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:00:00	जन्म समय	17:20:00 घंटे
घटी 55:50:46	जन्म समय(घटी)	26:56:29 घटी
India	देश	India
Sitamarhi	स्थान	Surat
26:36:00 उत्तर	अक्षांश	21:10:00 उत्तर
85:30:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:12:00	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:41	सूर्योदय	07:12:49
17:35:23	सूर्यास्त	18:03:18
23:48:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 10वर्ष 1मा 15दि	20:04:00	सिंह	लग्न	वृष	29:14:22	गुरु 0वर्ष 1मा 10दि
मंगल	13:14:02	कन्या	सूर्य	धनु	08:21:27	बुध
15/11/2022	19:55:00	मेष	चंद्र	कर्क	03:14:23	03/02/2019
15/11/2029	18:33:28	कर्क	मंगल	मक	27:54:05	03/02/2036
मंगल 13/04/2023	26:03:25	सिंह	बुध	वृश्चि	25:44:14	बुध 02/07/2021
राहु 30/04/2024	15:05:25	धनु	गुरु	मेष	01:10:58	केतु 29/06/2022
गुरु 06/04/2025	01:21:15	सिंह	शुक्र	तुला	28:04:22	शुक्र 29/04/2025
शनि 16/05/2026	09:54:34	मीन व	शनि व	मेष	16:45:35	सूर्य 05/03/2026
बुध 13/05/2027	14:10:36	कन्या व	राहु व	कर्क	10:06:22	चन्द्र 05/08/2027
केतु 10/10/2027	14:10:36	मीन व	केतु व	मक	10:06:22	मंगल 01/08/2028
शुक्र 09/12/2028	06:52:20	मक व	हर्ष	मक	20:34:05	राहु 18/02/2031
सूर्य 16/04/2029	01:10:37	मक व	नेप	मक	09:03:46	गुरु 26/05/2033
चन्द्र 15/11/2029	07:12:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:18:46	शनि 03/02/2036

लग्न-चलित

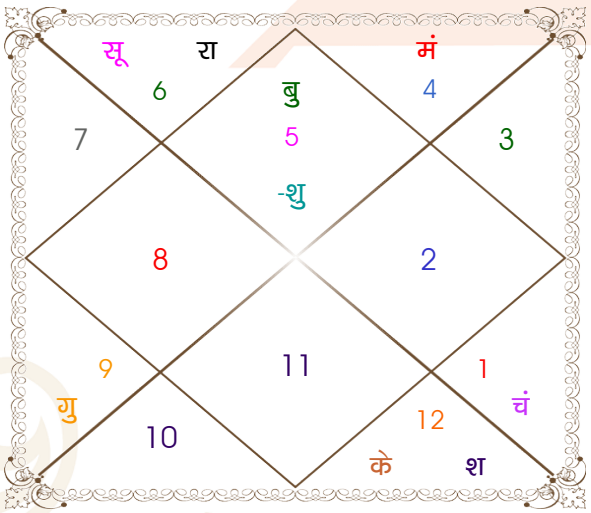

लग्न-चलित

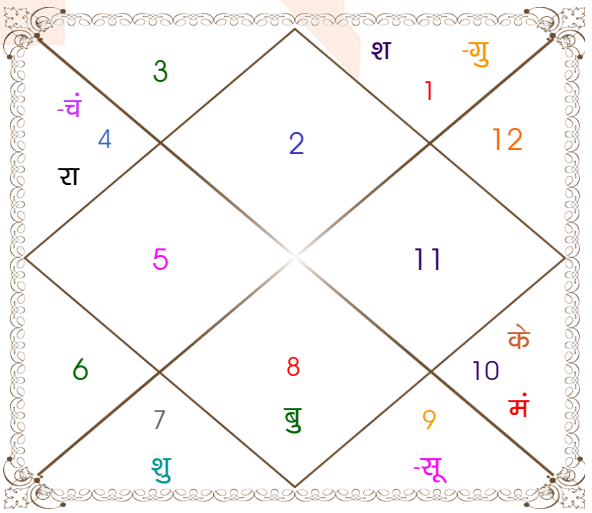

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Mr.k का वर्ग मृग है तथा Ms.h का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.k और Ms.h का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.k मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.k कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.k कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.h मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.h कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.h कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.k तथा Ms.h में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।